PART-1

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- वास्को-डी-गामा

भाग:- 1

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

(3) वास्को-डी-गामा (Vasco-De-Gama)

वास्को-डी-गामा (1460-1524) एक पुर्तगाली नाविक था जिसका जन्म साइनस (Sines) नामक स्थान पर हुआ था। उसने पुर्तगाल की सेना में रहकर नौचालन का कुशल प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

पुर्तगाली शासक भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज कराना चाहते थे और इसके लिए वास्को-डी-गामा को चुना गया।

वास्को-डी-गामा ने चार लघु जहाजी बेड़ा के साथ 1497 में भारत के लिए अपने अभियान पर रवाना हुआ। वह 96 दिनों तक बिना भूमि दिखे लगभग 7200 किमी० (4500 मील) की समुद्री यात्रा करने के पश्चात् अफ्रीका के दक्षिणी-पश्चिमी तट पर सेन्ट हेलना की खाड़ी में पहुँचा। वहाँ उसे स्थानीय हाटेन्टाट निवासियों के विरोध और संघर्ष का सामना करना पड़ा जिसके कारण वहाँ से आगे यात्रा पर बढ गया। अफ्रीका के दक्षिणी छोर उत्तमाशा अंतरीप का चक्कर लगाते हुए वह जेम्बजी नदी के मुहाने तक पहुँच गया। वहाँ यात्री दल एक महीना तक रुक गया और अधिकांश लोग स्कर्वी की बीमारी से पीड़ित रहे। जब यह बेडा मोजाम्बिक के तट पर पहुँचा तब उन्होंने अरब व्यापारियों के चार जलयान देखे जो सोना, मोती, माणिक्य, चाँदी, लौंग, पीपल, अदरक आदि से भरे थे। अरब व्यापारियों ने इनकी सहायता की और इस दल ने उनकी सहायता से मोम्बासा पहुँच कर वहाँ के शासक से भेंट की। मोम्बासा से वास्को-डी-गामा अपने यात्री दल के साथ अरब सागर को पार करते हुए भारत के पश्चिमी तट पर स्थित कालीकट बन्दरगाह पर पहुँचा। पुर्तगाल से कालीकट पहुँचने में वास्को-डी-गामा को कुल सात महीने का समय लगा था।